R. Nand M.A II Sem 3 (1)

Q:— Explain disadvantage and limitations of Experimental design or quasi experimental design.

Ans:—

आधुनिक मनोविज्ञान में नित्य नये शोध हो रहे हैं। शोध में अभिकल्प (Design) का स्थान महत्वपूर्ण माना गया है। परिकल्पना की सत्यता की जाँच हेतु उचित अभिकल्प का चयन किया जाता है। प्रयोगात्मक अभिकल्प एक महत्वपूर्ण शोध अभिकल्प (Research design) है। प्रयोगात्मक शोध अभिकल्प शोधकर्ताओं के बीच अपनी विशेषताओं के लिए आजकल काफी प्रचलित है। परन्तु इस अभिकल्प की सीमाएँ निश्चित है। ढेर सारी विशेषताओं के बावजूद भी इसके कुछ दोष भी है। प्रयोगात्मक अभिकल्प (Experimental Design) के कुछ प्रमुख दोष एवं परिसीमाएँ निम्नवत् है—

(1) प्रयोगात्मक अभिकल्प का एक सबसे बड़ा दोष यह है कि यह काफी जटिल होता है। कारक गुणित अभिकल्प (Factorial Design) में इस अभिकल्प की जटिलता काफी बढ़ जाती है जिसके फलस्वरूप सांख्यिकीय परिगणना (Statistical calculation) बहुत जटिल हो जाता है।

K. Nand M.A II Sem $ (8)

(ii) प्रयोगात्मक डिजाईन या अभिकल्प का एक बड़ा दोष यह भी है कि शोध के दौरान अर्थात् शोध अध्ययन से संबंधित वैसे परिवर्त्यों या चरों के प्रभाव का अध्ययन ~~अध्ययन~~ नहीं किया जा सकता है जिनमें जोड़-तोड़ (manipulation) संभव नहीं है। यानि यह कहा जा सकता है कि प्रयोगात्मक अभिकल्प से सभी प्रकार के चरों का अध्ययन संभव नहीं है।

(iii) प्रयोगात्मक शोध अभिकल्प (Design) तैयार करने के लिए शोधार्थी को पूर्णरूप से कुशल होना आवश्यक होता है। अन्यथा प्रयोगात्मक अभिकल्प से वांछित परिणाम प्राप्त करना अत्यन्त कठिन हो जाता है।

प्रयोगात्मक अभिकल्प तैयार करने के लिए शोधार्थी को अन्य सभी अभिकल्प (Design) तैयार करने की अपेक्षा अधिक कौशल की आवश्यकता रहती है। अर्थात् प्रयोगात्मक अभिकल्प (Design) वैसे शोधकर्त्ता ही तैयार कर सकते हैं जो इसमें पूर्ण निपुणता प्राप्त कर चुके हैं। अभिकल्प निर्माण में थोड़ी सी भी कमी भी पूरे अध्ययन को प्रभावित करेगा और फलतः परिणाम सही नहीं प्राप्त होने से पूरा अध्ययन के परिणाम सावित होगा।